

Yusmad Shabd Roop Chart

विभक्ति	एकवचन (तुम)	द्विवचन (तुम दोनों)	बहुवचन (तुम सभी)
प्रथमा (कर्ता – Nominative)	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वितीया (कर्म – Accusative)	त्वाम् / त्वा	युवाम्	युष्मान्
तृतीया (करण – Instrumental)	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
चतुर्थी (सम्प्रदान – Dative)	तुभ्यम्	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम्
पञ्चमी (अपादान – Ablative)	त्वत्तः	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठी (सम्बन्ध – Genitive)	तव	युवयोः	युष्माकम्
सप्तमी (अधिकरण – Locative)	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	त्वम् (तुम)	युवाम् (तुम दो)	यूयम् (तुम सब)
द्वितीया	त्वाम् (तुझ को)	युवाम् (तुम दोनों को)	युष्मान् (तुम सब को)
तृतीया	त्वया (तुझे/ तेरे द्वारा)	युवाभ्याम् (तुम दोनों ने)	युस्माभिः (तुम सब ने)
चतुर्थी	तुभ्यं (तेरे लिए)	युवाभ्याम् (तुम दोनों के लिए)	युष्मभ्यम् (तुम सब के लिए)
पंचमी	त्वत् (तुझ से)	युवाभ्याम् (तुम दोनों से)	युष्मत् (तुम सब से)
षष्ठी	तव (तेरा)	युवयोः (तुम दोनों का)	युष्माकम् (तुम सब का)
सप्तमी	त्वयि (तुझ में/ पर)	युवयोः (तुम दोनों से / पर)	युष्माषु (तुम सब / पर)

यह तालिका युष्मद् शब्द के सभी विभक्ति रूपों को दर्शाती है, जो संस्कृत व्याकरण में सही वाक्य निर्माण में सहायक होते हैं।

युष्मद् शब्द रूप – प्रत्येक विभक्ति का विवरण एवं उदाहरण

① प्रथमा विभक्ति (कर्ता – Nominative Case)

- त्वम् विद्यालयं गच्छसि। (तुम विद्यालय जाते हो।)
- युवाम् पाठं पठथः। (तुम दोनों पाठ पढ़ते हो।)
- यूयम् गीतं गायथ। (तुम सभी गीत गाते हो।)

② द्वितीया विभक्ति (कर्म – Accusative Case)

- गुरुः त्वाम् शिक्षयति। (गुरु तुम्हें शिक्षा देता है।)
- अध्यक्षः युवाम् स्वागतं करोति। (अध्यक्ष तुम दोनों का स्वागत करता है।)
- माता युष्मान् स्नेहेन पालयति। (माता तुम सभी को स्नेह से पालती है।)

③ तृतीया विभक्ति (करण – Instrumental Case)

- त्वया सह अहं गच्छामि। (तुम्हारे साथ मैं जाता हूँ।)

- युवाभ्याम् योगः अभ्यास्यते। (तुम दोनों के द्वारा योग का अभ्यास किया जाता है।)
- युष्माभिः नगरं संरक्ष्यते। (तुम सभी के द्वारा नगर की रक्षा की जाती है।)

④ चतुर्थी विभक्ति (सम्प्रदान – Dative Case)

- मया तुभ्यम् पुस्तकं दत्तम्। (मैंने तुम्हें पुस्तक दी।)
- गुरुः युवाभ्याम् उपदेशं ददाति। (गुरु तुम दोनों को उपदेश देते हैं।)
- राजा युष्मभ्यम् धनं ददाति। (राजा तुम सभी को धन देता है।)

⑤ पञ्चमी विभक्ति (अपादान – Ablative Case)

- त्वत्तः अहं विद्याम् प्राप्नोमि। (तुमसे मैं विद्या प्राप्त करता हूँ।)
- युवाभ्याम् नगरात् आगच्छामि। (तुम दोनों से नगर आता हूँ।)
- युष्मत् भयात् सैनिकः पलायते। (तुम सभी से डरकर सैनिक भागता है।)

⑥ षष्ठी विभक्ति (सम्बन्ध – Genitive Case)

- तव मित्रं कुशलम् अस्ति। (तुम्हारा मित्र कुशल है।)
- युवयोः विद्या उत्तमा अस्ति। (तुम दोनों की विद्या उत्तम है।)
- युष्माकम् विद्यालयं प्रसिद्धम् अस्ति। (तुम सभी का विद्यालय प्रसिद्ध है।)

⑦ सप्तमी विभक्ति (अधिकरण – Locative Case)

- त्वयि श्रद्धा मम अस्ति। (तुम पर मेरी श्रद्धा है।)
- युवयोः माता सुखिनी अस्ति। (तुम दोनों की माता सुखी है।)
- युष्मासु विश्वासः आवश्यकः। (तुम सभी में विश्वास आवश्यक है।)

Best of Luck

www.roopshabd.com